भारत – ग्वाटेमाला संबंध

राजनीतिक :

भारत और ग्वाटेमाला के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। राजनयिक संबंध 1970 के दशक के उत्तरार्ध में स्थापित हुए थे। जून, 2007 में, विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा की यात्रा भारत की ओर से ग्वाटेमाला की मंत्री स्तर पर पहली यात्रा थी। इस यात्रा के बाद दोनों देशों ने अपने अपने देशों में एक दूसरे के दूतावासों को खोलने का निर्णय लिया। ग्वाटेमाला में भारतीय दूतावास वर्ष 2009 में खोला गया तथा यह वर्ष 2010 के मध्य से पूरी तरह काम करने लगा। विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद ने 19 अप्रैल से 1 मई, 2011 के दौरान ग्वाटेमाला का दौरा किया। उन्होंने ग्वाटेमाला के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री अल्वारो कोलोम कैबालेरोस तथा अन्य गणमान्य हस्तियों एवं मेहमानों की उपस्थिति में 29 अप्रैल, 2011 को औपचारिक रूप से दूतावास का उद्घाटन किया।

ग्वाटेमाला ने नई दिल्ली में अप्रैल, 2013 में अपना दूतावास खोला तथा भारत में ग्वाटेमाला के पहले रेजीडेंट राजदूत ने अप्रैल, 2014 में अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। ग्वाटेमाला के विदेश मंत्री राजदूत कार्लोस राउल मोरालेस मोस्कोसो ने अक्टूबर 2014 में नई दिल्ली का दौरा किया और नई दिल्ली में ग्वाटेमाला के दूतावास का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया।

भारत – एस आई सी ए (मध्य अमरीकी एकीकरण प्रणाली) विदेश मंत्री बैठक अन्य बातों के साथ ग्वाटेमाला से भारत की द्विपक्षीय वार्ता के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। दूसरी भारत – एस आई सी ए विदेश मंत्री बैठक जून, 2008 में दिल्ली में हुई थी। इसके संदर्भ के अंदर, भारत ने ग्वाटेमाला सहित एस आई सी ए सभी 8 देशों में से प्रत्येक को विकास परियोजनाओं के लिए 10 – 10 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की है। भारत के एक्जिम बैंक ने भी क्षेत्रीय परियोजना के वित्त पोषण के लिए मध्य अमरीकी आर्थिक एकीकरण बैंक (सी ए बी ई आई) को 10 मिलियन अमरीकी डालर की वाणिज्यिक ऋण सहायता प्रदान की है। भारत ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे कि कृषि, एस एम ई, भेषज पदार्थ, पर्यटन, आईटी संबद्ध गतिविधि, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन, दूरस्थ शिक्षा तथा विकास के प्रयोजनों के लिए उपग्रह इमेजरी की आपूर्ति के क्षेत्रों में एस आई सी ए देशों की मदद करने का भी प्रस्ताव किया है। विदेश राजमंत्री श्री वी के सिंह ने तीसरी भारत - एस आई सी ए विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए मई 2015 में ग्वाटेमाला का दौरा किया।

द्विपक्षीय करार :

- व्यापार एवं आर्थिक सहयोग पर करार जिस पर वर्ष 1981 में हस्ताक्षर किए गए।
- राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार पर मई 2015 में हस्ताक्षर किया गया।

भारत की ओर से द्विपक्षीय यात्राएं :

जून, 2007 : श्री आनंद शर्मा, विदेश राज्य मंत्री

मई, 2011 : श्री ई अहमद, विदेश राज्य मंत्री

अप्रैल, 2014 : पहले विदेश कार्यालय परामर्श के लिए सचिव (पश्चिम) एवं संयुक्त सचिव (एल ए सी)

मई, 2015 : विदेश राजमंत्री श्री वी के सिंह ने तीसरी भारत - एस आई सी ए विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए ग्वाटेमाला का दौरा किया।

ग्वाटेमाला की ओर से द्विपक्षीय यात्राएं :
मई, 2005 : विदेश मंत्री श्री जॉर्ज ब्रिट्ज

अगस्त, 2007 :विदेश मंत्री श्री गर्ट रोजेनथल

जून, 2008 : विदेश मंत्री श्री हरोल्डो रोडास मेलगर ने भारत-सिका बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

अक्टूबर, 2014 : उप विदेश मंत्री श्री रोद्रीगो विल्मान, आर्थिक मंत्री श्री सोर्हिरयो दे ला तोर्रे तथा ग्वाटेमाला के 7 कारोबारियों के साथ विदेश मंत्री कार्लोस राउल मोरालेस ने 6वीं भारत – एल ए सी निवेश गोष्ठी में भाग लिया।

अक्टूबर, 2015 : उप विदेश मंत्री रोद्रीगो विल्मान ने भारत - एल ए सी कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

व्यापार एवं आर्थिक संबंध :
भारत - ग्वाटेमाला व्यापार **(**मिलियन अमरीकी डालर में**)**

वर्ष (अप्रैल - मार्च)	ग्वाटेमाला से आयात	ग्वाटेमाला को निर्यात	कुल व्यापार	वृद्धि (प्रतिशत में)
2010-2011	40.18	112.68	152.86	64.57
2011-2012	6.71	191.29	198.00	29.52
2012-2013	8.31	224.61	232.92	17.64
2013-2014	13.12	212.36	225.48	-3.19
2014-2015	17.12	229.01	246.13	9.16
2015-2016 (अप्रैल - सितंबर)	18.13	129.22		

(स्रोत : वाणिज्य विभाग - भारत)

निर्यात की प्रमुख वस्तुएं : लोहा एवं इस्पात के सामान, कपास, मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण एवं उनके पुर्जे, कार्बनिक रसायन, भेषज पदार्थ, रबर एवं इससे निर्मित वस्तुएं, वाहन तथा उनके पुर्जे और साजो – सामान, विद्युत मशीनरी एवं उपकरण तथा उनके पुर्जे, विविध खाद्य सामग्री आदि।

आयात की प्रमुख वस्तुएं : लकड़ी एवं इससे निर्मित वस्तुएं, वुड तारकोल, शुगर एवं शुगर कंफेक्सनरी, कॉफी, इलायची एवं एल्युमिनियम तथा इससे बनी वस्तुएं।

भारतीय कंपनियां : प्राज इंडस्ट्री लिमिटेड, जो वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में भारत की महत्वपूर्ण कंपनी है, एथोनोल उत्पादन संयंत्रों के लिए उपकरण की आपूर्ति कर रही है। बी फोरेस (प्रा.) लिमिटेड, जो जल विद्युत क्षेत्र की एक विख्यात भारतीय कंपनी है, ने ग्वाटेमाला में अपना कार्यालय खोला है। हीरो मोटर साइकिल, महिंद्रा वाहन, बजाज 2 और 3 ह्वीलर ग्वाटेमाला में बिकते हैं। प्रतिनिधियों के माध्यम से ग्वाटेमाला में अनेक भारतीय फार्मास्युटिकल उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

भारत से व्यापार शिष्टमंडल :
अक्टूबर, 2005 : भारत ने इंटरफर व्यापार प्रदर्शनी में भाग लिया।

मार्च, 2007 : प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकोंसिल) का शिष्टमंडल

फरवरी 2010 : विश्व कॉफी सम्मेलन में भाग लेने के लिए कॉफी बोर्ड का शिष्टमंडल।

नवंबर 2010 : इलाइची के बागानों का दौरा करने के लिए भारतीय मसाला बोर्ड का शिष्टमंडल

मार्च, 2011 : ई ई पी सी शिष्टमंडल

मार्च, 2012 : प्लेक्सोंसिल शिष्टमंडल
अगस्त : टेक्सप्रोसिल शिष्टमंडल
सितंबर : फार्मेक्सिल शिष्टमंडल

अक्टूबर, 2013 : ई ई पी सी शिष्टमंडल

2014 :
फरवरी : केमेक्सिल प्रतिनिधिमंडल
मार्च : टेक्सप्रोसिल शिष्टमंडल
अप्रैल : प्लेक्सोंसिल शिष्टमंडल
अगस्त : फार्मेक्सिल शिष्टमंडल

मई, 2015 : टेक्सप्रोसिल शिष्टमंडल

आई टी ई सी : ग्वाटेमाला वर्ष 1997 – 98 से ही आई टी ई सी का एक साझेदार देश है। 2015-16 में ग्वाटेमाला के लिए आई टी ई सी स्लॉटों की संख्या 25 है।

आई टी केन्द्र : ग्वाटेमाला में क्षमता निर्माण योगदान करने के एक प्रयास के तहत भारत सरकार ने अगस्त, 2006 में सैन कार्लोस विश्वविद्यालय में एक आईटी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की। टाटा कम्युनिकेशन सर्विसेज (टी सी एस) ने जुलाई, 2008 तक इस आईटी केंद्र का संचालन किया तथा ग्वाटेमाला सरकार को सौंपने से पूर्व ग्वाटेमाला के तकरीबन 1500 लोगों को प्रशिक्षण दिया।

दान : भारत ने अक्टूबर 2005 में हरिकेन स्टैन के बाद 50,000 अमरीकी डालर मूल्य की दवाएं, अक्टूबर 2005 में 36 बजाज थ्री ह्वीलर दान में दिए तथा ग्वाटेमाला सरकार की खाद्य असुरक्षा संबंधी घोषणा पर कार्रवाई करते हुए नवंबर 2009 में 2,50000 अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की, नवंबर

2012 में ग्वाटेमाला में भूकंप आने के बाद आपदा राहत के लिए 1,00000 अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की, 2014 में सूखा राहत के लिए 2,00000 अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की तथा मई 2015 में कुछ सोलर पावर्ड ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लगाए।

सांस्कृतिक आदान – प्रदान :
सांस्कृतिक सहयोग भारत से ग्वाटेमाला का दौरा करने वाली भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों तक ही अभी तक सीमित है। एक 15 सदस्यीय ओडिसी नृत्य मंडली ने 18 अक्टूबर, 2011 को "श्यामा'' का प्रदर्शन करने के लिए ग्वाटेमाला का दौरा किया। शैक्षिक एवं अन्य संबंधों को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा भारतीय शिक्षाविदों के दौरों की काफी सराहना की गई है।

ग्वाटेमाला वीजा :
6 जून, 2011 से, भारत के जिन नागरिकों के पास साधारण पासपोर्ट है उनके लिए ग्वाटेमाला में प्रवेश करने के लिए वीजा की जरूरत नहीं होगी यदि उनके पास संयुक्त राज्य अमरीकी, कनाडा या शेनगन का वैध वीजा है। सभी अन्य भारतीय नागरिकों, जिनके पास इस तरह का वीजा नहीं है, को ग्वाटेमाला में प्रवेश करने के लिए पूर्व वीजा प्राप्त करना होगा। नई दिल्ली स्थित ग्वाटेमाला दूतावास (जिसे अप्रैल, 2012 में खोला गया) पूरी तरह काम कर रहा है तथा भारतीयों को वीजा जारी करता है।

हवाई संपर्क / यात्रा :
भारत और ग्वाटेमाला के बीच कोई सीधी फ्लाइट नहीं है। सुविधाजनक कनेक्शन संयुक्त राज्य, मैक्सिको एवं यूरोप होते हुए उपलब्ध हैं।

भारतीय समुदाय :
ग्वाटेमाला में रहने वाले भारतीय समुदाय की संख्या बहुत कम है तथा उनमें कुल मिलाकर तकरीबन 100 व्यक्ति शामिल हैं जो भारत कॉल सेंटरों जैसे कि '24/7 कस्टमर - ग्वाटेमाला' तथा 'जेनपैक्ट' में, इलायची निर्यात व्यापार में, आटो पार्ट्स के कारोबार में या कुटीर उद्योग में काम करते हैं। इनमें से अधिकांश ग्वाटेमाला पिछले दो दशकों के दौरान आए हैं। इसके अलावा, ग्वाटेमाला – भारत वाणिज्य एवं उद्योग चेंबर की स्थापना वर्ष 2004 में की गई। भारतीय समुदाय का एसोशियन डी एमीगोज डे ला इंडिया 'भारत बंधु' नामक एक संघ भी है।

इसके अलावा, भारतीय मूल के लगभग 450 – 500 व्यक्ति हैं जो इस क्षेत्र में 19वीं शताब्दी के दौरान तथा 20वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में संविदा श्रमिक के रूप में आए थे और अटलांटिक पर तटीय ग्वाटेमाला एवं लेविंगस्टोन के छोटे कस्बे में बस गए। वे गांवों में रहते हैं, जमीन के मालिक हैं तथा मछली पकड़ने, खेती करने के अलावा पर्यटन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। वे अधिकतर चौथी – पांचवीं पीढ़ी के भारतीय हैं तथा अब स्थानीय समुदाय से अच्छी तरह घुलमिल गए हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला की वेबसाइट :
http://www.indemguatemala.org

भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/EmbajadaIndiaGuatemala
भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला का फेसबुक पेज :
https://twitter.com/IndianEmbassyGT

***

जनवरी, 2016